

महापाषाणकालीन समाधिस्थल

हाल के नषिकर्षों के अनुसार, आंध्र प्रदेश में त्रिपुतजिले में सबसे बड़ा एंथ्रोपोमोर्फिक समाधिस्थल संग्रह है।

- एंथ्रोपोमोर्फिक/मानवाकृतिय स्थल से तात्पर्य महापाषाणकालीन समाधिस्थल के ऊपर मानव कंकाल के साक्ष्य मलने वाले स्थल से हैं।



महापाषाण

- मेगालथि या 'महापाषाण' का तात्पर्य बड़े प्रागैतहासिक पत्थर से है जिसका उपयोग या तो एकल या अन्य पत्थरों के साथ मलाकर संरचना या स्मारक बनाने के लिये किया गया है।
- महापाषाण का उपयोग शवों को समाधिकिये जाने वाले स्थलों या स्मारक स्थलों के रूप में किया जाता था।
 - यह वास्तविक समाधि अवशेषों वाले स्थल जैसे- डोलमेनोइड सिसिट (बॉक्स के आकार के पत्थर के समाधिकिकष), केयरन सर्कल (परभाषति परधि वाले पत्थर के घेरे) और कैपस्टोन (मुख्य रूप से केरल में पाए जाने वाले वशिषिट मशरूम के आकार के समाधिकिकष) स्थल है।
- नश्वर अवशेषों से युक्त कलश या ताबूत आमतौर पर टेराकोटा से बना होता था तथा मेगालथि में मेनहीर जैसे स्मारक स्थल शामिल हैं।
- भारत में पुरातत्त्ववर्दिने लौह युग (1500-500 ईसा पूर्व) में अधिकांश महापाषाण का पता लगाया है, हालाँकि कुछ स्थल लौह युग से पहले 2000 ईसा पूर्व तक के हैं।
- महापाषाण भारतीय उपमहाद्वीप में फैले हुए हैं। अधिकांश महापाषाण स्थलप्रायद्वीपीय भारत में पाए जाते हैं, जो महाराष्ट्र (मुख्य रूप से वदिरभ में), कर्नाटक, तमलिनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों में केंद्रति हैं।



मेगालथिक/महापाषाण संरचना के वभिन्नि प्रकार:

- **स्टोन सर्कलस:** स्टोन सर्कलस या पत्थर के घेरे को आमतौर पर "क्रॉमलेक" (वेलश भाषा का शब्द) कहा जाता है, अंग्रेज़ी शब्द "क्रॉमलेक" का प्रयोग कभी-कभी इस अर्थ में किया जाता है।
- **डोलमेन:** डोलमेन एक महापाषाण संरचना है जो दो या दो से अधिक सहायक पत्थरों पर एक बड़े कैपस्टोन को रखकर बनाई जाती है, जो नीचे एक कक्ष बनाती है, कभी-कभी तीन तरफ से बंद होती है। इसे अक्सर मकबरे या समाधि कक्ष के रूप में उपयोग किया जाता है।
- **ससिट:** ससिट एक छोटा पत्थर से निर्मित ताबूत जैसा बॉक्स या अस्थि-पेटी है जिसका उपयोग मृतकों के शवों को रखने के लिये किया जाता है। समाधि संरचना में डोलमेंस के समान महापाषाण संरचना हैं। इस प्रकार के अंत्येष्टि पूरी तरह से भूमिगत थे। ये एकल और बहु-कक्षीय ससिट थे।
- **मोनोलथि:** प्रागैतिहासिक काल में स्तंभित एकल पत्थर। जिसको कभी-कभी "मेगालथि" और "मेनहरि" के पर्यायवाची के रूप में प्रयुक्त, परवर्ती काल में एकल पत्थरों का वर्णन करने के लिये इस शब्द का इस्तेमाल किया गया।
- **कैपस्टोन शैली:** एकल मेगालथि कक्षैतजि रूप से, अक्सर समाधि स्थलों के ऊपर, पत्थरों के उपयोग के आधार के बनिा रखा जाता है।

[स्रोत: द हद्दि](#)